ont>

Title: Need to formulate a water management policy in the country.

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** सभापति महोदय, यूनाइटिड नेशंस की वर्ल्ड वाटर डवलपमेंट रिपोर्ट ने भारत में जल के बारे में जो उल्लेख किया है, वह चिन्ता का विाय है। देश में जल की गुणवत्ता विश्व के 122 देशों में से 120वें स्थान पर है, हमारे देश से खराब जल केवल दो देशों में ही उपलब्ध है। इसी प्रकार जल की उपलब्धता में 180 देशों की गणना में भारत का 133वां स्थान है। दरअसल देश में न तो स्वच्छ जल की समस्या है और न जल की उपलब्धता का अभाव है। यहां की नदियां हिमालय, विंध्याचल पर्वतों की श्रंखलाओं के स्वच्छ वातावरण से निकलती हैं और नदियों के दृटिकोण से तो देश में नदियों की भरमार है और उनका जल भी देश की आवश्यकता से अधिक उपलब्ध है। परन्तु जल के कुप्रबन्धन के कारण ही देश के सामने जल संकट आज उत्पन्न होता जा रहा है। सभापति जी, जल जीवन है, आज तक इसकी अवहेलना के कारण ही देश को जल समस्या से जूझना पड़ रहा है। अतः इस दिशा में सरकार को सर्वोच्च प्राथमिकता से काम करना होगा। र्वा 2003-2004 के बजट में भी सिंचाई व्यवस्था की ओर यथेठ ध्यान नहीं दिया गया है। चार लाख करोड़ रुपयों से अधिक वार्कि बजट में जल व्यवस्था के लिए तो केवल 443 करोड़ रुपया ही आबंटित है। इसी प्रकार नदियों को जोड़ने के मामले में भी कार्यदल गठन के अतिरिक्त कोई ठोस कदम अभी तक दिखाई नहीं दे रहा है।

अतः मेरा सरकार से आग्रह है कि जल प्रबन्ध कर अनुपयुक्त जल को मानव उपयोग में लाने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दे।